Seventeenth Loksabha

span>

Title : Cyber attack on AIIMS websites and measures to protect database.

श्री रितेश पाण्डेय (अम्बेडकर नगर) : अधिष्ठाता महोदय, दिल्ली में एम्स पर हुआ साइबर हमला और डेटा सेंधमारी बेहद चिंताजनक है। कई दिनों के बाद भी इन सर्वरों पर नियंत्रण नहीं पाया गया है और न ही कायदे से हैकरों की पहचान हो पाई है। एम्स के बाद 30 नवंबर को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान यानी आईसीएमआर के सर्वर पर एक ही दिन में 6,000 बार सेंधमारी और डेटा हैकिंग की कोशिशें हुई हैं, जो कि बेहद चिंताजनक है। जैसे-जैसे डिजिटल तकनीकें बढ़ती चली जा रही हैं और हमारे देश के तमाम सिस्टम डिजिटलाइज्ड हो रहे हैं, ये डेटा सेंधमारी और डेटा हैकिंग बहुत ही चिंताजनक होता चला जा रहा है।

महोदय, हमने इसका परिणाम यह भी देखा था कि अभी कुछ दिन पहले नेशनल ग्रिड पर भी सेंधमार हुई थी, उसको कैप्चर कर लिया गया था, जिससे उत्तर प्रदेश में भी हर जगह पर बिजली की व्यवस्था पर कटौती करने का काम हुआ था। ये बेहद ही चिंताजनक है और सरकार को इसके ऊपर संज्ञान लेकर एक व्यवस्था देनी चाहिए और सदन में आकर इस मामले पर पूरी क्लैरिटी देनी चाहिए। हमारा देश जैसे-जैसे और विकसित होगा, वैसे-वैसे ऐसे हमले बढ़ते चले जाएंगे।

यदि सरकार इस विषय को संज्ञान में नहीं लेती है तो कहीं न कहीं हमारी इंटरनल सिक्योरिटी, हमारी भारतीय सुरक्षा को लेकर एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस मामले पर वह पूरी क्लेरिटी देने का काम करे और आगे ऐसी सैंधमारी न हो पाए, उसकी रोकथाम के लिए सरकार क्या करने जा रही है, उस पर भी स्पष्टीकरण देने का काम करे।